# SHREE GOVIND GURU UNIVERSITY

## GODHARA

**(Established vide Gujarat Act No.24/2015)**

**uG. COURSES IN HINDI CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**

**(Courses: B.A.Semester V and VI)**

**June 2018 Onwards**

BY

**BOARD OF STUDIES – HINDI**

# यु.जी.सी. अनुसार सेमेस्टर V & VI

# हिन्दी विषय के स्नातक स्तरीय

# पाठ्यक्रम का प्रारूप एवं संरचना

हिन्दी विषय की अध्ययन समिति

**(Pri. M.B. Patel- Dr. Suresh Patel- Dr.Sushila vyash - Dr. Dhananjay Chauhan)**

# प्रश्नपत्र के लिए आवश्यक सूचनाः

प्रश्न 1. दीर्घ प्रश्न के विकल्प में दीर्घ प्रश्न (किसी एक ही यूनिट से) (14)
प्रश्न 2. दीर्घ प्रश्न के विकल्प में दीर्घ प्रश्न (किसी एक ही यूनिट से) (14)
प्रश्न 3. टिप्पणी (किसी एक ही यूनिट से) (7+7=14)

(अ) के अथवा में (अ)

(ब) के अथवा में (ब)

प्रश्न 4. ससंदर्भ व्याख्या (किसी एक ही यूनिट से) ((7+7=14)

(अ) के अथवा में (अ)

(ब) के अथवा में (ब)

**विशेषः** उपर्युक्त प्रश्नों का प्रारूप यही रहेगा किन्तु किसी भी यूनिट से ये प्रश्न पूछे जा सकते हैं। अर्थात् दीर्घ प्रश्न /टिप्पणी /संदर्भ के लिए कोई एक यूनिट निश्चित नहीं है, ये प्रश्न किसी भी यूनिट से पूछे जा सकते हैं।

**प्रश्न 5. वस्तुनिष्ठ प्रश्न** ( चारों यूनिट में से – किन्हीं दो यूनिट में से तीन-तीन प्रश्न और किन्हीं दो यूनिट में से चार-चार प्रश्न पूछे जाएँगे) (14)

इसमें रिक्त स्थान की पूर्ति / योग्य विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति / सुमेलित करना / सही-गलत के निशानवाले प्रश्न पूछे जाएँ। 'एक वाक्य में उत्तर लिखिए' इस प्रकार के प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे। अध्यापक विद्यार्थियों को सूचित करें कि वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य / पूर्ण विधान में ही लिखें।

विशेष सूचनाः

● जिन प्रश्नपत्रों में कृति(Text) नहीं है वहाँ प्रश्न क्रमांक 3 संदर्भ के स्थान पर दीर्घ प्रश्न / दीर्घ प्रश्न पूछा जायेगा। इस अनुसार प्रश्न क्रमांक 4 टिप्पणी का होगा।

● सेम 6 प्रश्न पत्र 315 (रचनात्मक लेखन और अनुवाद) में चौथे यूनिट से गुजराती अथवा अंग्रेजी में से हिन्दी में अनुवाद (14 × 1= 14), इस प्रश्नपत्र के पाँचवें वस्तुनिष्ठ प्रश्न में यूनिट चार में दिए गए मुहावरों और कहावतों में से कोई चार पूछे जाएँ और शेष किन्हीं दो यूनिट में से तीन-तीन और किसी एक यूनिट में से चार; कुल 14 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे।

## <u>सेमेस्टर V</u> **( तृतीय वर्ष बी.ए.)**

COURSES (प्रश्नपत्र):

CORE HIN 301 (मुख्य) भारतीय काव्यशास्त्र
CORE HIN 302 (मुख्य) हिन्दी भाषा और लिपि
CORE HIN 303 (मुख्य) आधुनिक हिन्दी गद्य का इतिहास (1950 तक)

CORE- HIN ELE 304-A (मुख्य) प्रयोजनमूलक हिन्दी
OR /अथवा
CORE- ELE HIN 304-B (मुख्य) पत्रकारिता (सैद्धांतिक)

CORE- ELE HIN 305-A (मुख्य) विशिष्ट साहित्यकार (गद्य विधा)
OR /अथवा
CORE- ELE HIN 305-B (मुख्य) विशिष्ट साहित्यकार (पद्य विधा)

## <u>सेमेस्टर VI</u> **( तृतीय वर्ष बी.ए.)**

COURSES (प्रश्नपत्र):

CORE HIN 311 (मुख्य) पाश्चात्य काव्यशास्त्र
CORE HIN 312 (मुख्य) हिन्दी व्याकरण
CORE HIN 313 (मुख्य) आधुनिक हिन्दी पद्य का इतिहास (1950 तक)

CORE-ELE HIN 314- A (मुख्य) हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास (1950 तक)
OR /अथवा
CORE- ELE HIN 314-B (मुख्य) जनसंचार माध्यम लेखन

CORE- ELE HIN 315-A (मुख्य) रचनात्मक लेखन और अनुवाद
OR /अथवा
CORE- ELE HIN 315-B (मुख्य) प्रादेशिक भाषा साहित्य

**U.G. COURSES IN HINDI**

**CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**

**( B.A. Courses: Semester V & VI)**

**SEMESTER-V**

## HINDI CORE 301 भारतीय काव्यशास्त्र

| यूनिट | पाठ्यक्रम | |
|---|---|---|
| 1 | काव्य | |
| | 1 | काव्य का स्वरूप<br>भामह,मम्मट , विश्वनाथ एवं जगन्नाथ की काव्य परिभाषाएँ |
| | 2 | काव्य-प्रयोजन |
| | 3 | काव्य गुण |
| 2 | शब्द-शक्ति | |
| | 1 | अभिधा |
| | 2 | लक्षणा और उसके भेद |
| | 3 | व्यंजना और उसके भेद |
| 3 | रस | |
| | 1 | रस का स्वरूप |
| | 2 | रस के अंग |
| | 3 | रस के भेद<br>श्रृंगार, वीर, करुण एवं अद्भूत रस का विशेष परिचय |
| 4 | अलंकार और छंद | |
| | 1 | अलंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक |
| | 2 | छंद – दोहा, चौपाई, कवित्त, हरिगीतिका, मंदाक्रांता,शिखरीणी |

**सहायक संदर्भ ग्रंथः**


1. काव्यशास्त्र – डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. काव्य प्रदीप – रामबहोरी शुक्ल, हिन्दी भवन प्रकाशन, इलाहाबाद
3. भारतीय काव्यशास्त्र – निशा अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
4. साहित्यशास्त्र – डॉ. ओमप्रकाश गुप्त, डॉ. गोवर्धन बंजारा, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
5. भारतीय एवम पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रुपरेखा-तेजपाल चौधरी,विकास प्रकाशन , कानपुर

**U.G. COURSES IN HINDI**

**CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**

**( B.A. Courses: Semester V & VI)**

## SEMESTER-V

## HINDI CORE 302 हिन्दी भाषा और लिपि

| यूनिट | पाठ्यक्रम | |
|---|---|---|
| 1 | भाषा और भाषा परिवार | |
| | 1 | भाषा की परिभाषा, स्वरूप एवं विशेषताएँ |
| | 2 | भारोपीय परिवार |
| | 3 | द्रविड परिवारः तमिल. तेलुगू, मलयालम और कन्नड |
| 2 | भारतीय आर्य भाषाएँ | |
| | 1 | प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ |
| | 2 | आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ |
| | 3 | हिन्दी की उपभाषाएँ और बोलियाँ |
| 3 | हिन्दी का विकास | |
| | 1 | हिन्दी शब्द-समूह |
| | 2 | हिन्दी का नामकरण और विकासः हिन्दी, उर्दू, हिन्दुस्तानी |
| | 3 | खड़ी बोली का विकास |
| 4 | देवनागरी लिपि | |
| | 1 | देवनागरी लिपि का विकास |
| | 2 | देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता |
| | 3 | हिन्दी वर्तनी के नियम |

**सहायक संदर्भ ग्रंथः**


1. भाषा विज्ञान हिन्दी भाषा और लिपि – रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिन्दी भाषा –डॉ. भोलानाथ तिवारी,किताब महल,इलाहाबाद
3. हिन्दी भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी,किताब महल,इलाहाबाद
4. भाषा विज्ञान एवम हिन्दी भाषा – डॉ.लक्ष्मीकांत पाण्डेय,डॉ.प्रमिला अवस्थी,आशीष प्रकाशन,कानपुर
5. हिन्दी रूप-रचना भाग 1 और 2, आचार्य जयेन्द्र त्रिवेदी
6. आधुनिक भाषा विज्ञान – डॉ. राजमणि शर्मा,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली

**U.G. COURSES IN HINDI**

**CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**

**( B.A. Courses: Semester V & VI)**

**SEMESTER-V**

## HINDI CORE 303 आधुनिक हिन्दी गद्य का इतिहास (1950 तक)

| यूनिट | पाठ्यक्रम | |
|---|---|---|
| 1 | कथा साहित्य | |
| | 1 | कहानीः उद्भव और विकास |
| | 2 | उपन्यासः उद्भव और विकास |
| | 3 | चन्द्रधर शर्मा गुलेरीः कहानीकार के रूप में |
| | 4 | निर्मला (प्रेमचन्द) : कृति परिचय |
| 2 | नाट्य साहित्य | |
| | 1 | नाटकः उद्भव और विकास |
| | 2 | एकांकीः उद्भव और विकास |
| | 3 | उपेंद्रनाथ अश्क : एकांकीकार के रूप में |
| | 4 | अन्धेर नगरी (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र) : कृति परिचय |
| 3 | निबंध और आलोचना | |
| | 1 | निबंधः उद्भव और विकास |
| | 2 | आलोचनाः उद्भव और विकास |
| | 3 | प्रतापनारायण मिश्र : निबंधकार के रूप में |
| | 4 | हिन्दी साहित्य का इतिहास (आचार्य रामचंद्र शुक्ल) : कृति परिचय |
| 4 | अन्य गद्य- विधाएँ | |
| | 1 | संस्मरणः उद्भव और विकास |
| | 2 | रेखाचित्रः उद्भव और विकास |
| | 3 | आत्मकथा: उद्भव और विकास |
| | 4 | पथ के साथी (महादेवी वर्मा) : कृति परिचय |

**सहायक संदर्भ ग्रंथः**


1. आधुनिक साहित्य – नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी गद्यः विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. ओमप्रकाश गुप्त, डॉ. वीरेन्द्रनारायण सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ल

**U.G. COURSES IN HINDI**
**CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**
**B.A. Courses: Semester V & VI)**

## SEMESTER-V
## HINDI CORE–ELECTIVE 304 –A (OPTIONAL)
## पत्रकारिता (सैद्धांतिक)

| यूनिट | पाठ्यक्रम | |
|---|---|---|
| 1 | पत्रकारिता का स्वरूप | |
| | 1 | पत्रकारिताः परिभाषा और तत्व |
| | 2 | पत्रकारिता की आवश्यकता |
| | 3 | विषय के आधार पर पत्रकारिता के प्रमुख प्रकारः साहित्यिक, महिला, बाल, खेल, ग्रामीण एवं स्वास्थ्य पत्रकारिता |
| 2 | समाचार लेखन | |
| | 1 | समाचार की परिभाषा एवं तत्व |
| | 2 | समाचार के विभिन्न स्रोत |
| | 3 | समाचार की भाषा |
| 3 | संवाददाता और संपादक के कार्य | |
| | 1 | संपादक के गुण और संवाददाता की योग्यताएँ |
| | 2 | पत्रकारिता से संबंधित लेखन : संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार |
| | 3 | समाचार पत्र की प्रशासनिक तथा बिक्री एवं वितरण व्यवस्था |
| 4 | विज्ञापन और मुद्रण कला | |
| | 1 | विज्ञापन का महत्व , लाभ-हानि |
| | 2 | मुद्रण कला : प्रूफ शोधन |
| | 3 | पृष्ठ-सज्जा एवं स्तंभ योजना |


1समाचार लेखन : अवधारणा और सिद्धांत – सुभाष धूलिया और आनंद प्रधान, भारतीय जनसंचार संस्थान, दिल्ली.

1. समाचार प्रबंधन – गुलाब कोठारी, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर.
2. जनसंपर्क, विज्ञापन एवं प्रसार माध्यम – एन. सी. पंत, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली.
3. मीडिया लेखन – डॉ. चन्द्रप्रकाश, संजय प्रकाशन, दिल्ली.
4. आधुनिक जनसंचार और हिन्दी – हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली.
5. जन पत्रकारिता, जनसंचार एवं जनसंपर्क – प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित, संजय प्रकाशन, दिल्ली.
6. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता – अर्जुन तिवारी, जयभारती प्रकाशन, दिल्ली.
7. समकालीन संचार सिद्धांत-सुस्मिता बाला,डी.पीएस पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली
8. मुद्रित माध्यम तकनीक और लेखन-डॉ.विजय कुलश्रेष्ट, श्याम प्रकाशन,कानपुर

**U.G. COURSES IN HINDI**
**CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**
**( B.A. Courses: Semester V & VI)**

**HINDI CORE -ELECTIVE 304 - B (OPTIONAL)**

**SEMESTER-V**

**प्रयोजनमूलक हिन्दी**

| यूनिट | पाठ्यक्रम | |
|---|---|---|
| 1 | प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा और अनुप्रयोग | |
| | 1 | प्रयोजनमूलक हिन्दी : आवश्यकता और स्वरूप |
| | 2 | प्रयोजनमूलक हिन्दी की विशेषताएँ |
| | 3 | प्रयोजनमूलक हिन्दी की प्रयुक्तियाँ |
| 2 | प्रयोजनमूलक हिन्दी और राजभाषा | |
| | 1 | राजभाषा का स्वरूप और उसका महत्व |
| | 2 | राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति |
| | 3 | राजभाषा हिन्दी का कार्यान्वय |
| 3 | राजभाषा हिन्दी का व्यावहारिक प्रयोग | |
| | 1 | औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों में अंतर |
| | 2 | आवेदन एवं प्रतिवेदन |
| | 3 | संक्षेपण, टिप्पण, प्रारूपण |
| 4 | अनुवाद | |
| | 1 | अनुवाद की अवधारणा और महत्व |
| | 2 | अनुवादक के गुण |
| | 3 | हिन्दी में अनुवाद ( अपठित गुजराती गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद ) |

**सहायक संदर्भ ग्रंथः**


1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. बालेन्दुशेखर तिवारी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी.
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. गुलाम मोइनुद्दीन खान, शबनम पुस्तक महल, कटक.
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली.
4. प्रयोजनमूलक हिन्दीः विविध आयाम – डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय, ऋषिका प्रकाशन, इलाहाबाद
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. नरेश मिश्र, डॉ. सुरेश सिंहल, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली.
6. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी – डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी, कलिंग पब्लिकेशन, दिल्ली.
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी – माया सिंह, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

**U.G. COURSES IN HINDI**
**CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**
**( B.A. Courses: Semester V & VI)**

**HINDI CORE - ELECTIVE 305 – A (OPTIONAL)**

**SEMESTER-V**

**विशिष्ट साहित्यकार (मोहन राकेश) गद्य विधा**

पाठ्यपुस्तक : (1)आधे अधूरे (नाटक ) (2) प्रतिनिधि कहानियाँ मोहन राकेश (राजकमल प्रकाशन)

| यूनिट | पाठ्यक्रम | |
|---|---|---|
| 1 | मोहन राकेश : व्यक्तित्व और कृतित्व | |
| | 1 | जीवन – परिचय |
| | 2 | रचना – परिचय |
| | 3 | रचनात्मक वैशिष्ट्य |
| 2 | आधे अधूरे : मूल्यांकन | |
| | 1 | कथानक |
| | 2 | आधे अधूरे में पारिवारिक विघटन |
| | 3 | आधे अधूरे : तात्विक समीक्षा, आधे अधूरे की रंगमंचीयता |
| 3 | आधे अधूरे : चरित्रांकन एवं परिवेश | |
| | 1 | सावित्री |
| | 2 | महेंद्रनाथ |
| | 3 | अन्य चरित्र |
| 4 | कहानियाँ : तात्विक मूल्यांकन | |
| | 1 | मलबे का मालिक |
| | 2 | एक और जिंदगी |
| | 3 | आर्द्रा |

**सहायक संदर्भ ग्रंथः**


1. मोहन राकेश और उनके नाटक – डॉ.गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
2. रंगशिल्पी मोहन राकेश – डॉ.नरनारायण , कादम्बरी प्रकाशन, दिल्ली
3. मोहन राकेश : व्यक्तित्व और कृतित्व - डॉ.रमेशकुमार , गीता प्रकाशन
4. आधे अधूरे : समीक्षा - प्रो.राजेश शर्मा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी रंगमंच और मोहन राकेश – डॉ.सुशीलादेवी , नवजीवन पब्लिकेशन
6. कहानीकार मोहन राकेश – सुषमा अग्रवाल, पंचशील प्रकाशन
7. मोहन राकेश का कथात्मक साहित्य-डॉ.वसंत दत्तात्रेय, समता प्रकाशन
8. मोहन राकेश के कथासाहित्य का संवेदनापक्ष -डॉ.राकेशकुमारी, साहित्य संस्थान,गाजियाबाद
9. मोहन राकेश और मधुराय के नाट्यसाहित्य का तुलनात्मक अध्ययन,डॉ.हसमुख बारोट,हंसपुरम,कानपुर

**U.G. COURSES IN HINDI**
**CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**
**( B.A. Courses: Semester V & VI)**

**HINDI CORE-ELECTIVE 305 – B (OPTIONAL)**

**SEMESTER-V**

**विशिष्ट साहित्यकार (मैथिलीशरण गुप्त ) पद्य विधा**

पाठ्यपुस्तक : (1) साकेत – नवम सर्ग (2) काव्यायन- सं.रामाअंजोरसिह,डॉ.रामशंकर त्रिपाठी.भवदीय प्रकाशन,अयोध्या- फेजाबाद

| यूनिट | पाठ्यक्रम | |
|---|---|---|
| 1 | **मैथिलीशरण गुप्त** : व्यक्तित्व और कृतित्व | |
| | 1 | जीवन – परिचय |
| | 2 | रचना – परिचय |
| | 3 | रचनात्मक वैशिष्ट्य |
| 2 | साकेत : मूल्यांकन | |
| | 1 | साकेत में नवम सर्ग की कथा योजना |
| | 2 | साकेत में उर्मिला का चरित्र चित्रण |
| | 3 | साकेत में उर्मिला का विरह |
| 3 | | |
| | 1 | साकेत का नामकरण |
| | 2 | साकेत में नवम सर्ग की गीतात्मकता |
| | 3 | साकेत की भाषा |
| | | |
| 4 | कविता | |
| | 1 | चारु चंद्र की चंचल किरणे |
| | 2 | मेरी कुटिया में राजभवन मन भाया |
| | 3 | सखि निरख नदी की धारा |
| | | |

**सहायक संदर्भ ग्रंथः**


1. साकेत एक अध्ययन: डॉ.दानबहादुर पाठ्क,विनोद पुस्तक मंदिर,आगरा
2. **मैथिलीशरण गुप्त पुनर्मूल्यांकन** – डॉ.नगेंद्र प्रभात प्रकाशन, दिल्ली.
3. **मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में नारी**– डॉ. मंजुलता तिवारी, सुलभ प्रकाशन.
4. **मैथिलीशरण गुप्त की काव्य कला** – मंजु अग्रवाल , अतुल प्रकाशन कानपुर
5. साकेत समीक्षा- ऋचा मिश्राश्रा-विकास प्रकाशन,कानपुर

**U.G. COURSES IN HINDI**
**CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**
**( B.A. Courses: Semester V & VI)**
**HINDI CORE 311**

**SEMESTER-VI**

पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं हिन्दी आलोचक

| यूनिट | पाठ्यक्रम | |
|---|---|---|
| 1 | पाश्चात्य आलोचक एवं उनके काव्य-सिद्धांत | |
| | 1 | प्लेटो : काव्य-सत्य और अनुकरण |
| | 2 | मैथ्यू आर्नल्ड : कविता जीवन की आलोचना |
| | 3 | आई.ए. रिचर्ड्स : मूल्य और सम्प्रेषण के सिद्धांत |
| 2 | वाद विमर्श | |
| | 1 | मार्क्सवाद |
| | 2 | स्वच्छन्दतावाद |
| | 3 | मनोविश्लेषणवाद |
| 3 | काव्य के प्रमुख प्रतिमान | |
| | 1 | बिम्ब |
| | 2 | प्रतीक |
| | 3 | मिथक |
| 4 | हिन्दी आलोचकों का योगदान | |
| | 1 | आचार्य रामचंद्र शुक्ल |
| | 2 | आचार्य नंददुलारे वाजपेयी |
| | 3 | नामवर सिंह |

सहायक संदर्भ ग्रंथः


1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी.
3. पाश्चात्य साहित्य-चिंतन–निर्मला जैन, कुसुम बाँठिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली.
4. हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
5. हिन्दी आलोचना का विकास- नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
6. हिन्दी आलोचना का विकास-मधुरेश सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद.
7. हिन्दी आलोचना के आधार-स्तंभ – सं. रामेश्वरलाल खंडेलवाल, सुरेशचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद

**U.G. COURSES IN HINDI**
**CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**
**( B.A. Courses: Semester V & VI)**

**HINDI CORE 312**

**SEMESTER-VI**
हिन्दी व्याकरण

| यूनिट | पाठ्यक्रम | |
|---|---|---|
| 1 | वर्ण एवं शब्द-भेद | |
| | 1 | वर्ण की परिभाषा और हिन्दी वर्ण के प्रकार : स्वर और व्यंजन |
| | 2 | संज्ञा की परिभाषा और प्रकार |
| | 3 | सर्वनाम की परिभाषा और प्रकार |
| 2 | शब्द-भेद | |
| | 1 | विशेषण की परिभाषा और प्रकार |
| | 2 | अव्यय की परिभाषा और प्रकार |
| | 3 | क्रिया की परिभाषा और प्रकार : अकर्मक, सकर्मक, सहायक और संयुक्त |
| 3 | शब्द-रचना | |
| | 1 | कारक और विभक्ति |
| | 2 | उपसर्ग और प्रत्यय |
| | 3 | समास की परिभाषा और प्रकार |
| 4 | संधि और वाक्य-रचना | |
| | 1 | संधि की परिभाषा और प्रकार |
| | 2 | वाक्य परिभाषा, अर्थ दृष्टि से वाक्य के प्रकार |
| | 3 | रचना के दृष्टि से वाक्य के प्रकार |

सहायक संदर्भ ग्रंथः


1. आधुनिक हिन्दी व्याकरण- डॉ.वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन, पटना.
2. हिन्दी व्याकरण एक नवीन दृष्टिकोण – कविता कुमार, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली.
3. व्याकरण प्रदीप : रामदेव एम.ए. हिन्दी भवन, इलाहाबाद.
4. हिन्दी व्याकरण : पं. कामता प्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी.
5. हिन्दी भाषा और व्याकरण– डॉ.मायाप्रकाश पाण्डेय,चिंतन प्रकाशन,कानपुर

**U.G. COURSES IN HINDI**
**CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**
**( B.A. Courses: Semester V & VI)**
**HINDI CORE 313**

**SEMESTER-VI**

आधुनिक हिन्दी पद्य का इतिहास (1950 तक)

| यूनिट | पाठ्यक्रम | |
|---|---|---|
| 1 | भारतेन्दु युग | |
| | 1 | काव्य प्रवृत्तियाँ |
| | 2 | प्रताप नारायण मिश्र : कवि के रूप में |
| | 3 | भारतेन्दु की मुकरियाँ : संक्षिप्त परिचय |
| 2 | द्विवेदी युग | |
| | 1 | काव्य प्रवृत्तियाँ |
| | 2 | मैथिलीशरण गुप्त: कवि के रूप में |
| | 3 | प्रियप्रवास (अयोध्यासिंह उपाध्याय) : कृति परिचय |
| 3 | छायावाद | |
| | 1 | काव्य प्रवृत्तियाँ |
| | 2 | जयशंकर प्रसाद – कवि के रूप में |
| | 3 | राम की शकितपूजा (निराला) : काव्य परिचय |
| 4 | प्रगतिवाद | |
| | 1 | काव्य प्रवृत्तियाँ |
| | 2 | शिवमंगलसिंह सुमन : कवि के रूप में |
| | 3 | युगान्त (सुमित्रानंदन पंत) : कृति परिचय |

सहायक संदर्भ ग्रंथः


1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास- सं. डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली.
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चनसिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली.
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ.ओमप्रकाश गुप्त, डॉ. वीरेन्द्रनारायणसिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
5. आधुनिक साहित्य –नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
6. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – विजयेन्द्र स्नातक, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन.
7. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास – गुलाबराय, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा

**U.G. COURSES IN HINDI**
**CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**
**( B.A. Courses: Semester V & VI)**

**HINDI CORE - ELECTIVE 314 – A (OPTIONAL)**

**SEMESTER-VI**

हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास (1950 तक)

| यूनिट | पाठ्यक्रम | |
|---|---|---|
| 1 | भारतीय नवजागरण और हिन्दी पत्रकारिता का उदय | |
| | 1 | हिन्दी पत्रकारिता का प्रांरभ |
| | 2 | जुगलकिशोर शुक्ल की पत्रकारिता एवं उदन्त मार्तण्ड |
| | 3 | समाचार सुधावर्षण |
| 2 | राष्ट्रीयता का विकास और हिन्दी पत्रकारिता का दूसरा दौर (भारतेन्दु युग) | |
| | 1 | भारतेन्दुयुगीन पत्रकारिता की विशेषताएँ |
| | 2 | भारतेन्दु की पत्रकारिता एवं कविवचन सुधा |
| | 3 | भारतमित्र |
| 3 | बीसवीं शताब्दी का आरंभ और हिन्दी पत्रकारिता का तीसरा दौर (द्विवेदी युग) | |
| | 1 | द्विवेदी युगीन पत्रकारिता की विशेषताएँ |
| | 2 | महावीर प्रसाद द्विवेदी की पत्रकारिता एवं सरस्वती |
| | 3 | प्रताप |
| 4 | गाँधीयुगीन पत्रकारिता | |
| | 1 | गाँधीयुगीन पत्रकारिता की विशेषताएँ |
| | 2 | बाबूराव विष्णु पराड़कर की पत्रकारिता एवं आज |
| | 3 | मतवाला |

सहायक संदर्भ ग्रंथः


1. हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली.
2. हिन्दी भाषा के सामयिक पत्रों का इतिहास – श्री राधाकृष्णदास.
3. समाचार पत्रों का इतिहास – पं. अम्बिकाप्रासाद वाजपेयी.
4. पत्र और पत्रकार – पं. कमलापति त्रिपाठी
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी.
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.

**U.G. COURSES IN HINDI**
**CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**
**( B.A. Courses: Semester V & VI)**
**HINDI CORE –ELECTIVE 314 – B (OPTIONAL)**

**SEMESTER-VI**
जनसंचार माध्यम लेखन

| यूनिट | पाठ्यक्रम | |
|---|---|---|
| 1 | जनसंचार माध्यम के विकास की रूपरेखा | |
| | 1 | जनसंचार माध्यम से अभिप्राय एवं महत्व |
| | 2 | जनसंचार माध्यम के प्रकार |
| | 3 | जनसंचार माध्यम और भाषा की भूमिका |
| 2 | श्राव्य मीडिया-लेखन | |
| | 1 | रेडियो की उपयोगिता एवं उसकी लोकप्रियता |
| | 2 | नाटक, परिचर्चा |
| | 3 | कमेन्ट्री , उदघोषणा |
| 3 | प्रिंट मीडिया-लेखन | |
| | 1 | अखबार : महत्व, उद्देश्य और उपयोगिता |
| | 2 | रिपोर्ताज , समाचार |
| | 3 | साक्षात्कार, परिचर्चा |
| 4 | इलेक्ट्रोनिक मीडिया-लेखन | |
| | 1 | फिल्म : पटकथा लेखन |
| | 2 | टेलीविज़न : समाचार, धारावाहिक |
| | 3 | इन्टरनेट : ब्लोगिंग, फेसबुक, वाट्सएप(WhatsApp) |

सहायक संदर्भ ग्रंथः


1. जन पत्रकारिता, जनसंचार एवं जनसंपर्क – प्रो.सूर्यप्रसाद दीक्षित, संजय प्रकाशन, दिल्ली.
2. मीडिया लेखन – डॉ. चन्द्रप्रकाश मिश्र, संजय प्रकाशन, दिल्ली.
3. आधुनिक जनसंचार और हिन्दी – हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली.
4. मीडिया लेखन– दिलीप महेरा, अमर प्रकाशन, मथुरा.
5. दृश्य श्राव्य – दिलीप महेरा,अमर प्रकाशन,मथुरा.
6. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता - अर्जुन तिवारी, जयभारती प्रकाशन, दिल्ली.

**U.G. COURSES IN HINDI**
**CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**
**( B.A. Courses: Semester V & VI)**

**HINDI CORE –ELECTIVE 315 –A (OPTIONAL)**

**SEMESTER-VI**

रचनात्मक लेखन और अनुवाद

| यूनिट | पाठ्यक्रम | |
|---|---|---|
| 1 | रचनात्मक लेखन : स्वरूप एवं सिद्धांत | |
| | 1 | भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया |
| | 2 | विविध अभिव्यक्ति-क्षेत्र : साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियाँ |
| | 3 | रचनात्मक लेखन : मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य |
| | 4 | जनभाषा और लोकप्रिय संस्कृति |
| 2 | विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन | |
| | 1 | कविता : संवेदना, काव्यरूप, भाषा-सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक |
| | 2 | कथासाहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं विमर्श |
| | 3 | नाट्यसाहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश और रंगकर्म |
| | 4 | विविघ गद्य-विधाएँ : निबंध, संस्मरण, व्यंग्य |
| 3 | अनुवाद : सैद्धांतिक | |
| | 1 | अनुवादः स्वरूप और भेद |
| | 2 | अनुवाद का महत्व |
| | 3 | आदर्श अनुवाद और अनुवाद की समस्याएँ |
| | 4 | अच्छे अनुवादक के गुण |
| 4 | अनुवाद : व्यावहारिक | |
| | 1 | आठ से दस वाक्य वाले परिच्छेद का गुजराती अथवा अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद |
| | 2 | हिन्दी मुहावरे /कहावतों का गुजराती या अंग्रेजी रूप (वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए) |

सहायक संदर्भ ग्रंथः


1. अनुवाद विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, शब्दाकार, दिल्ली.
2. अनुवाद साधना – डॉ. पूरनचंद टंडन
3. अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग – डॉ. आदिनाथ सोनटक्के
4. अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग – जी गोपीनाथन
5. अनुवाद समस्याएँ एवं समाधान – डॉ. अर्जुन चव्हाण
6. रचनात्मक लेखन – रमेश गौतम

कहावतों की सूची और उनका हिन्दी रूपः

1. રાંડ્યા પછીનું ડહ્યાપણ શા કામનું - अब पछताये होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत
2. પછેડી એટલે સોડ – तेते पाँव पसारिये जेती लांबी सौर
3. એક કાંકરે બે પક્ષી – एक पंथ दो काज
4. ખોદ્યો ડુંગર ને નિકળયો ઉંદર – खोदा पहाड़ निकली चुहिया
5. ઘર ફૂટયે ઘર જાય – घर का भेदी लंका ढाये
6. ખાલી ચણો વાગે ઘણો – थोथा चना बाजे घना
7. ભેંસ આગળ ભાગવત – भैंस के आगे बीन बाजै भैंस खड़ी पगुराय
8. સિંદરી બળે પણ વળ ન મુકે – रस्सी जल गई पर ऐंठन न गई
9. અધૂરો ઘડો છલકે ઘણો – अधजल गगरी छलकत जाय
10. નામ મોટું ને દર્શન ખોટા – ऊँची दुकान फीका पकवान
11. ઉજ્જડ ગામમાં એરંડો પ્રધાન – अंधों में काना राजा
12. ઊલમાંથી ચૂલમાં પડવું – इधर कुआँ उधर खाईं
13. ગધેડા ઊપર અંબાડી – छछूँदर के सिर पर चमेली का तेल
14. દુકાળમાં અધિક માસ –गरीबी में आटा गीला
15. પુત્રનાં લક્ષણ પારણાંમાથી જણાય – होनहार बिरवान के होत चीकने पात

मुहावरों की सूची और उनका हिन्दी रूपः

16. રજનું ગજ કરવું – राई का पहाड़ बनाना
17. ચોરનું મન શંકાશીલ – चोर की दाढ़ी में तिनका
18. આંધળાનો ઢેકાળો – अंधे के हाथ बटेर लगना
19. દાઝ્યા ઊપર ડામ દેવો – जले पर नमक छिड़कना
20. ધ્રુસકે ધ્રુસકે રડવું – फूट फूटकर रोना
21. સસ્તામાં ખપવું – मिट्टी के मोल बिकना
22. જીવ લઈને નાસવું – दुम दबाकर भागना
23. મીઠું મરચું ભભરાવવું - नमक मिर्च लगाना
24. ઊધડો લેવો – आड़े हाथों लेना
25. છૂ થઈ જવું – भाग जाना
26. તાગડધિન્ના કરવા – गुलछर्रे उड़ाना
27. માથુ ખાવુ- दिमाग चाटना
28. હળાહળ જૂઠાણું – सफेद झूठ
29. ગજ ખાવો – तूती बोलना
30. મૂછ પર તાવ દેવો – मूँछ पर ताव देना

**U.G. COURSES IN HINDI**
**CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**
**( B.A. Courses: Semester V & VI)**

**HINDI CORE –ELECTIVE 315 – B (OPTIONAL)**

**SEMESTER-VI**

प्रादेशिक भाषा साहित्य – गुजराती

| यूनिट | पाठ्यक्रम | |
|---|---|---|
| 1 | गुजराती भाषा-साहित्य का परिचय | |
| | 1 | गुजराती भाषा का उद्भव और विकास |
| | 2 | गुजराती का मध्यकाल |
| | 3 | गुजराती साहित्य का आधुनिक काल |
| 2 | गुजराती साहित्य का इतिहास : परिचयात्मक | |
| | 1 | प्राचीन गुजराती साहित्य की प्रवृत्तियाँ |
| | 2 | आधुनिक काल का उपविभाजन (पंडित युग, गांधी युग, उत्तग गांधी युग) |
| | 3 | आधुनिक गुजराती साहित्य की प्रवृत्तियाँ |
| 3 | प्रमुख रचनाकारों का परिचय | |
| | 1 | नरसिंह महेता |
| | 2 | अखा |
| | 3 | प्रेमानंद |
| 4 | प्रतिनिधि रचनाओं का संक्षिप्त परिचय | |
| | 1 | काव्यमंगला(सुंदरम) |
| | 2 | मानवीनी भवाई (पन्नालाल पटेल) |
| | 3 | आंगलियात (जोसेफ मेकवान) |

सहायक संदर्भ ग्रंथः

1.गुजराती साहित्यनो इतिहास (ग्रंथ 1 से 6)- गुजराती साहित्य परिषद, अहमदाबाद.

2.गुजराती साहित्यनो इतिहास – रमेश त्रिवेदी, आदर्श प्रकाशन, अहमदाबाद

3.गुजराती साहित्यनो इतिहास – डॉ. धीरूभाई ठाकर, गुर्जर प्रकाशन, अहमदाबाद

---

*टाईप सेटिंग- डॉ.सुरेशभाई बी पटेल*